जय सतनाम　　जय सतनाम　　जय सतनाम

(सतनामी संग्राम के **336** वर्ष बाद प्रथम ऐतिहासिक)

अखिल भारतीय सतनामी सम्मेलन

प्रिय बन्धुगण सतनाम,

स्पात नगरी भिलाई में अखिल भारतीय स्तर पर दो दिवसीय सतनामी सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर देश के कोने कोने से सतनामी प्रतीनीधि मंडल ने भाग लिया। श्री दिनेश साध की अगुआई में हरियाणा नारनौल, राजस्थान, दिल्ली व फरूखाबाद से पांच गणमान्य प्रतिनीधि, कोटवाधाम बाराबंकी से प्रथम पावा महंत कमलेशदास जी की अगुआई में लखनउ, रायबरेली व अन्य कई जगह से प्रतिनीधियों ने भाग लिया। सिद्धपीठ भुड़कुड़ा से महंत शत्रुहनदास तथा रूकनपुर गुरूद्वारा के प्रमुख श्री सुरेशचन्द साध के साथ भानुपकाश शर्मा की अगुआई में सतनामियों ने सम्मेलन में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। वहीं छपरा बिहार से बासुदेवदास व बिजयदास की तथा झारखण्ड से श्री अनिरूद्धदास की अगुआई में सतनामी मंडल ने भाग लिया। उड़िसा से श्री ज्योतिलाल बंजारे व नागपुर महाराष्ट्र से श्री रामनाथ गेन्ड्रे तथा दिल्ली से प्रोफेसर हरिशचन्द्र जोशी, सियाराम लहरे की अगुआई में अनकों गणमान्य प्रतिनीधियों ने सम्मेलन में हिस्सा लिया। इसके साथ छत्तीसगढ़ में आयोजित इस सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिला व ब्लाक स्तर से प्रतिनीधियों ने सैकड़ों की तादाद में इस सम्मेलन में शरीक हुए।

सतनामी संग्राम के **336** वर्ष बाद यह पहला अवसर है कि देश भर के कोने कोने से सतनामियों ने इस ऐतिहासिक सम्मेलन में खुलकर हिस्सा लिया। सन **1670** में औरंगजेब जैसे नृशंश तानाशाह से सन्त बीरभान की अगुआई में सतनामी संग्राम हुआ था। कई वर्षों तक सतनामी लड़ते हुए बाद में यहॉ वहॉ देश के कोने कोने में बिखर गये और तब से अब तक एक दूसरे की तलाश जारी थी। काफी मेहनत के बाद यह पहला अवसर है कि पूरे भारत भूमि के सतनामी छत्तीसगढ़ की पावन भूमि भिलाई में एक साथ एक मंच पर मिले। इस ऐतिहासिक मिलन की बेला में लोगों ने एक दूसरे को गले लगा कर अपने बिछुडेपन का एहसास किया। वातावरण ऐसा लग रहा था कि **336** साल का अन्तर एक पल में सिमट गया हो। सभी जगह से आये प्रतिनीधियों ने अपने बिछुड़ेपन का एहशास किया और सतनाम आन्दोलन को अब तक कैसे संभाले हुए है इस पर विस्तार से चर्चा किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ गुरू वन्दना से शुरू होकर परिचय सत्र में बदल गया। बिभिन्न राज्यों से आये प्रतिनीधियों ने अपना विस्तार से परिचय दिया ताकि लेग एक दूसरे को करीब से जान सकें। सम्मोलन में पूर्व सांसद, डाक्टर इंजिनियर, प्रोफेसर व वकीलों के अलावा न्यायाधीश, अधिकारीगण, साहित्यकार, कवि, कलकार, व्यापारी वर्ग, समाज सेवी, नवयुवक, किसान, छात्र व उच्चशिक्षा में अध्ययनरत शोधकर्ता जैसे अनेकों बहुआयामी, आध्यात्मिक व पेशेवर शामिल थे। यह सम्मेलन सचमुच ऐतिहासिक सम्मेलन नजर आ रहा था। प्रायः जीवन प्रत्येक क्षेत्र के अनुभवी व विचारक मौजूद थे।

दोपहर के भोजन उपरांत मुख्य प्रायोजित बिन्दुओं पर चर्चा प्रारंभ हुयी और सिद्धगद्दी भुड़कुड़ा के श्रीमहंत शत्रुहनदास जी के अध्यक्षता **28** अप्रेल **2008** को प्रस्ताव पारि हुए है, जो इस प्रकार हैं ः-

चर्चा का मुख्य विषय ः सतनाम आन्दोलन का राष्ट्रीय एकीकरण व समाकलन के अन्तर्गत निम्न बिन्दुओं पर चर्चा हुयी। बिन्दुवार चर्चा और प्रस्ताव जो पारित हुए इस प्रकार है।

(National Integration and Unification of Satnam Movement)

1. सम्पूर्ण भारतभूमि में सतनाम आन्दोलन से जुड़े लोगों को, भले ही वे अपने क्षेत्र में क्षेत्रीय प्रभाव के कारण अलग अलग तरीके से मान्यतायें मानते हो उन सबको एक मंच पर एक साथ पास पास लाना।

(Bringing together in one platform all the followers of Satnam movement in different part of India irrespective of methodology being followed by them.)

प्रस्ताव पारित ः इस विषय पर सबने एक मत से अपने हाथ खड़ा करके प्रस्ताव पारित किया कि हमें अपने मान्यताओं को अभी यथावत मानते हुए पास पास आना है तथा सभी सतनामियों को अपने नाम के साथ सतनामी शब्द का प्रयोग करने का सुझाव दिया गया। साध अपने साथ / सतनामी लगाकर भी लिख सकते हैं। कोटवा शाखा के सतनामी भी अपने नाम के साथ सतनामी शब्द लिखने पर सहमत हैं। अन्य अपने नाम से पहले या बाद में सतनामी शब्द का उपयोग करें। जैसे सतनामी टी आर खुन्टे या यशवन्त सतनामी आदि ताकि एकरूपता स्थापित हो सके। सबने ध्वनिमत से प्रस्ताव पारित किया।

2. सतनाम के पुरोधा सन्त व गुरूओं का क्रमबद्ध सूचीकरण तथा उनके आन्दोलन का स्वरूप और प्रभाव का संकलन कर, एक योजनाबद्ध तरीके से सतनाम आन्दोलन को पूरे भारत में फैलाना ताकि सम्पूर्ण मानव समाज को इसका लाभ मिल सके। (For National integration of Satnam movement, chronologically listing related sants/ Gurus collecting their detail about ideology and methodology followed to spread Satnam mission.)

प्रस्ताव पारित ः इस विषय पर सबने स्वीकार किया कि एतिहासिक तध्यों का क्रमबद्ध सूचीकरण करना आवश्यक है और उसे एक जगह संकलित कर विचार विमर्श के बाद प्रकाशित किया जायेगा। संकलन के लिए श्री सुरेशचंद रूकनपुर (खुर्जा) तथा प्रोफेसर हरिश्चन्द जोशी जनकपुरी नई दिल्ली का नाम मनोनित किया गया। सर्वसम्मति से सभी उपस्थित प्रतिनीधियों ने हाथ खड़ाकर ध्वनिमत से प्रस्ताव पारित किया।

3. सतनान आन्दोलन के समान विचारधाराओं का संकलन (Common thoughts of Satnam movement.).

ऐतिहासिक प्रस्ताव पारित ः हम सब नारनौल शाखा फरूखाबाद, कोटवाधाम बाराबंकी शाखा, सिद्धगद्दी गाजीपुर भुड़कुड़ा (उ.प्र.), रूकनपुर गुरूद्वारा, छपरा (बिहार), छत्तीसगढ़, झारखण्ड, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, दिल्ली राज्य के सतनामी सर्वसम्मति से भिलाई में आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय सतनामी सम्मेलन में आज दिनांक **28**अप्रेल **2008** दिन सोमवार दोपहर एक बजे प्रस्ताव पारित करते हैं कि **हम सब सतनाम धर्म को जो भारत का आदिधर्म है, पुनर्जागरण करने एवं संवैधानिक मान्यता दिलाने में प्रयास करेंगे।**

प्रस्ताव आदरणीय श्रीमहंत शत्रुहनदास की अध्यक्षता में पारित हुआ, श्री टी आर खुन्टे द्वारा संचालित हुआ। सभी उपस्थित प्रतिनीधियों ने प्रत्येक बिन्दुओं पर गहन चर्चा के बाद सर्व सम्मति व ध्वनिमत से दोनों हाथ खड़ा करके प्रस्ताव पारित किया। पूर्ण चर्चा व पस्ताव पारित का विडियो रिकार्डिग किया गया है।

4. सतनाम आन्दोलन को एकीकरण हेतु भारत के विभिन्न राज्यों में सम्मेलन व विचार गोष्टी अभियान चलाना।

(Organizing symposium for unification in different part of India.)

प्रस्ताव पारित ः सबने ध्वनिमत से सतनाम आन्दोलन की एकीकरण की दिशा में हाथ खड़ा करके सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया।

5. सतनाम आन्दोलन का एकीकरण हेतु अखिल भारतीय सतनाम महासभा का गठन।

(Formation of National forum for unification of Satnam movement.)

प्रस्ताव पारित ः इस विषय पर चर्चा करते हुए सबने सुझाव दिया कि वर्तमान में समन्वय समिति के माध्यम से संचालित करने का प्रस्ताव रखा। आयोजन समिति के अलावा अन्य सदस्यों के नाम भी शामिल किये जायेंगे

जिसकी सूची सभी शाखा अथवा राज्य प्रभारी अपने अपने क्षेत्र से नाम संयोजक श्री टी आर खुन्टे के पास एक माह के भीतर भेजेंगे। यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से हाथ खड़ा करके ध्वनिमत से पारित हुआ।

6. सतनाम आन्दोलन में व्यवहारिकता एवं गतिशीलता के सिद्धान्त को सहज और सरल तरीके से परिभाषित करना। (Dynamics of applied Satnam its theory and practices)

प्रस्ताव पारित ः सतनाम धर्म को सहज और सरल बनाये जाने के विषय में प्रस्तावित हुआ कि उन तमाम बिन्दुओं पर बरीकी से चर्चा किया जायेगा और सहज व सरल बनाये जाने की दिशा में हर संभव प्रयास किया जायेगा। प्रस्ताव सर्वसम्मति से हाथ खड़ा करके ध्वनिमत से पारित हुआ।

7. सतनाम मिशन के लिए आर्थिक सहयोग। (Funding of Satnam movement and mission)

प्रस्ताव पारित ः इस विषय पर गंभीरता से चर्चा की गयी और सबने सतनाम मिशन को आगे बढ़ाने हेतु तन–मन– धन से सहयोग देने का संकल्प लिया। साथ ही उपस्थित प्रतनीधियों ने तत्काल कुछ धन सभास्थल पर जमा किया गया जिसे भिलाई के प्रभारी श्री जनार्दन के पास जमा किया गया। यह भी सुझाव दिया गया कि सभी प्रतिनीधिगण अपने क्षेत्र में वापस जाकर जन मानस को इस दिशा में योगदान हेतु प्रोत्साहित करें व साल मे दो बार जमा राशि का विवरण दें। प्रस्ताव सर्वसम्मति से हाथ खड़ा कर ध्वनिमत से पारित हुआ।

क्र	नाम	पता	फोन नं.
1	श्री टी आर खुंटे दिल्ली	जी 234ए सेक्टर 22 नोएडा 201301	09868390962
2	श्री नरेन्द्रशाह दिल्ली	124 कैलाश हील (इस्ट आफ कैलाश) नई दिल्ली	09810057608
3	श्री विजय फुल इरोड	सतनामी नारनौल शाखा	09342620340
4	श्री प्रेम फुल दिल्ली	सतनमी नारनौल शाखा	09891265201
5	श्री कमलेश दास	बाराबंकी सतनामी कोटवा धाम शाखा	09450742705
6	महंत हरिप्रताप दास	बाराबंकी सतनामी कोटवा धाम शाखा	09335758288
7	श्री सुरेश चंद	रूकनपुर गददी सतनामी सबला पंथी	09412733965
8	महंत बासुदेव दास छपरा	बिहार कोटवाधम शाखा	06152 232053
9	महंत अनिरूद्ध दास	जमशेदपुर झारखण्ड कोटवाधाम	09431753453
10	रामेश्वर पाटले	सतनामी मुम्बई	022 28410452
11	रामनाथ भैया लाल गेन्द्रे	सतनामी नागपुर	07109286007
12	श्री चुन्नी लाल मिरजा	अधिकारीगुडा उडीसा	09937663564
13	श्री ज्योति लाल बंजारे	राजाखरियार . जिला नयापारा ऊडीसा	09938552477
14	श्री डीएल दिव्यकार जसपुरनगर	सतनामी छत्तीस गढ शाखा	09329440092
15	श्री टी आर मिरे कोरबा	सतनामी छत्तीस गढ शाखा	09827113258
16	श्री एल एल कोशल बिलासपुर	सतनामी छत्तीस गढ शाखा	09425543840
17	श्री नरसिंह मंडल रायपुर	सतनामी छत्तीस गढ शाखा	0771 2887540
18	श्री एफ आर जनार्दन भिलाई	सतनामी छत्तीस गढ शाखा	09907182554
19	डॉ देव नारायण बचेली बस्तर	सतनामी छत्तीस गढ शाखा	07857 255896
20	श्री दिनेश साध मुम्बई	सतनामी नारनौल शाखा	09320111012

21	श्री नवरतन साध बांस बरेली	बीजामऊ फरूखाबाद **9313779928**	**05825– 227013**

महोदय उपरोक्त पस्ताव जो सर्वसम्मति से सम्मेलन में पारित हुआ आयोजन समिति के सभी सदस्यों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु पेषित है। आइये हम सब मिल कर भारत भूमि को सतनाम मय बनायें। सतनाम धर्म की विजय आप सबकी विजय है। यही हमारा उद्देश्य और यही हमारा मिशन है। यही हमारे गुरूओं की सच्ची सेवा व श्रद्धा होगी।

विनीत

दिनांक

02 मई 2008

आयोजन समिति व संयोजक

प्रथम अखिल भारतीय सतनामी सम्मेलन

भिलाई नगर दुर्ग छ ग